एक आशीर्वाद

राग: केदार ताल: दादरा

वृतांन्त

बृंदारका गन सुमन बरिसहिं राउ जनवासेहि चले ।
दुंदुभी जय धुनि वेद धुनि नभ नगर कौतूहल भले ।।
तब सखीं मंगल गान करत मुनीस आयसु पाइ कै ।
दूलह दुलहिनिन्ह सहित सुंदरी चलीं कोहबर ल्याइ कै।।
ॐ ॐ ॐ

बालकांड, रामचरितमानस, गोस्वामी तुलसीदास

गान

जोड़ी बनी रहे बन्ने और बन्नी की प्यारी

जब तक रहे चंदा-सूरज चलती रहे सवारी।। (२) गायकगण:

उन टिमटिमाते तारों जैसे
अटल हो तुम्हारा प्यार

उस बहते पानी की धारा जैसे
निर्मल तुम्हारा संसार

निश्चल रहे ये प्यार
निर्मल तुम्हारा संसार ।। (२) गायकगण:

खुशियों के पक्के धागों से ये बंधन बंधा रहे

(प्रकृति की सारी शक्तियों से ये जुड़ा रहे)२

जोड़ी बनी रहे बन्ने और बन्नी की प्यारी

जब तक रहे चंदा-सूरज चलती रहे सवारी

चलती रहे सवारी।। (२)

आदित्य माथुर
३ अक्टूबर २००५